प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा के सीएमडी ने "नवीकरणीय ऊर्जा के विभिन्न पद्धतियों - इनकी अच्छाई और खमियों" के विषय पर महत्वपूर्ण संदेश दिया

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने 20 अक्टूबर, 2022 को आईआईटी दिल्ली में ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी पर वर्कशॉप सह कॉन्क्लेव में एक सत्र को संबोधित किया।

श्री दास ने देश में अक्षय ऊर्जा (आरई) की समग्र विकास यात्रा, मौलिक और नवीन आरई प्रौद्योगिकियों के तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं और भारत में आरई फाइनेंसिंग के महत्व पर प्रकाश डाला।

इरेडा के सीएमडी ने आरई उद्योग के लाभों और इसके द्वारा सामना किए जा रहे चुनौतियों को रेखांकित किया और भारत के संशोधित राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्यों को पूरी करने के लिए आवश्यक विभिन्न हस्तक्षेपों को रेखांकित किया, यानी 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 45 प्रतिशत की कमी और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत संचयी विद्युत पावर संस्थापित क्षमता प्राप्त करना है ।

अपने संबोधन में, उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इरेडा पिछले 35 वर्षों से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक मातृत्व संगठन के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए हुए है और बाजार की आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए निरंतर वित्तीय उत्पादों का विकास कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 की समाप्ति पर कंपनी ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

उन्होंने आरई विकास में तेजी लाने के लिए भारत सरकार द्वारा की जा रही विभिन्न पहलों के महत्व पर जोर दिया; और सम्पूर्ण आरई और विद्युत उद्योग के सभी हितधारकों से अनुरोध किया कि वे भारत के अद्यतन एनडीसी लक्ष्यों की समय पर उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें।